No. of Printed Pages : 4

BSKC–111

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एस.के.सी.–111 : वैदिक साहित्य

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। तीनों खण्ड अनिवार्य हैं। निर्देशानुसार सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड-क

(व्याख्या आधारित प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से **चार** मंत्रों की व्याख्या कीजिए :

4×10=40

(i) अग्निः पूर्वेभिर्ऋषिभिरीड्यो नूतनैरुत। स देवाँ एह वक्षति।।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

अथवा

उषो वाजेन वाजिनि प्रचेताः स्तोमं जुषस्व गृणतो मघोनि।

पुराणी देवि युवतिः पुरन्धिरनुव्रतं चरसि विश्ववारे।।

(ii) यज्जाग्रतो दूरमुदैति दैवं तदु सुप्तस्य तथैवैति।

दूरङ्गमं ज्योतिषां ज्योतिरेकं तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु।।

अथवा

सहृदयं सांमनस्यमविद्वेषं कृणोभि वः।

अन्यो अन्यमभि हर्यत वत्सं जातभिवाघ्न्या।।

(iii) काली कराली च मनोजवा च सुलोहिता या च सुधूम्रवर्णा।

स्फुलिङ्गिनी विश्वरुचि च देवी लेलायमाना इति सप्त जिह्वाः।।

अथवा

द्वे विद्ये वेदितव्ये इति ह स्म यद् ब्रह्मविदो वदन्ति परा चैवापरा च।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

तत्रापरा ऋग्वेदो यजुर्वेदः सामवेदोऽथर्ववेदः शिक्षा कल्पो व्याकरणं निरुक्तं छन्दो ज्योतिषमिति।।

(iv) दिव्यो ह्यमूर्तः पुरुषः स बाह्याभ्यन्तरो ह्यजः।

अप्राणो ह्यमनाः शुभ्रो ह्यक्षरात् परतः परः।।

अथवा

सत्येन लभ्यस्तपसा ह्येष आत्मा सम्यग्ज्ञानेन ब्रह्मचर्येण नित्यम्।

अन्तःशरीरे ज्योतिर्मयो हि शुभ्रो यं पश्यन्ति यतयः क्षीणदोषाः।।

खण्ड-ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2×20=40

(i) हिरण्यगर्भ सूक्त का दार्शनिक महत्व लिखिए।

अथवा

भूमि सूक्त का सार अपने शब्दों में लिखिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ii) 'मुण्डकोपनिषद्' में ब्रह्म की प्राप्ति के लिए बताए गए मार्गों का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

'मुण्डकोपनिषद्' के अनुसार **दो** प्रकार की विद्या कौन-सी हैं ? विस्तार से बताइए।

खण्ड-ग

(टिप्पणयात्मक प्रश्न)

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×10=20

(i) वैदिक तुमर्थक प्रत्यय

(ii) स्वरित

(iii) पदपाठ के 7 नियम

(iv) लेट् लकार

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com